दृष्टि The Vision

drishti

28 AUG 2019

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E5

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** * 7102

Center & Date: DL & 28/08/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1134510

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य का विज्ञान या संकट।
   Artificial Intelligence: The science of future or a crisis?
2. एक बालक, एक शिक्षक, एक कलम तथा एक पुस्तक ही भारत को रूपांतरित कर सकते हैं।
   One child, one teacher, one pen and one book can change India.
3. न्यू इंडिया@75 : भारत में कृषक न्याय।
   New India@75: Justice to the farmer in India.
4. भीड़तंत्र का न्याय भारत में आंतरिक सुरक्षा की नवीन चुनौती।
   Mob justice is a new challenge to the internal security of India.

खंड–B / SECTION –B

1. शक्ति संपृक्त क्षमा यदि वीरोचित है तो शक्ति रहित क्षमा कायरता।
   If doughty forgiveness is heroic, effete forgiveness is cowardice.
2. लोकतंत्र कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का भौतिक एवं आध्यात्मिक संभावनाओं में एक विश्वास है।
   Democracy is not only a matter of privileged ones rather it is every man's belief in the physical and spiritual possibilities.
3. समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है।
   Wasting time is robbing oneself.
4. शिक्षा समृद्धि में एक आभूषण एवं विपत्ति में एक शरणस्थली है।
   Education is an embellishment in prosperity and a refuge in adversity.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION –A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य का विज्ञान या संकट।

   Artificial Intelligence: The science of future or a crisis?

2. एक बालक, एक शिक्षक, एक कलम तथा एक पुस्तक ही भारत को रूपांतरित कर सकते हैं।

   One child, one teacher, one pen and one book can change India.

3. न्यू इंडिया@75 : भारत में कृषक न्याय।

   New India@75: Justice to the farmer in India.

4. भीड़तंत्र का न्याय भारत में आंतरिक सुरक्षा की नवीन चुनौती।

   Mob justice is a new challenge to the internal security of India.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : भविष्य का विज्ञान या संकट

"घिरा हुआ है हर तरफ से,
है आइने में हवा की दरख्त।"

उक्त पंक्तियाँ वर्तमान विश्व की उन समस्याओं एवं आकांक्षाओं का द्वंद्व है, जो उसके सम्मुख खड़ी है। मानव प्रौद्योगिकी का विकास करता है, ताकि उसका मानवता के कल्याण के लिए उपयोग किया जा सके किन्तु इसी प्रौद्योगिकी का दूसरा पहलू अंधकारमय भी होता है, जो मानवता के विरुद्ध खड़ा होकर इसे समाप्त करने को उतारू है। यही द्वंद्व वर्तमान समय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की नवीन प्रौद्योगिकी – कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने उत्पन्न किया है। एक ओर इसे मानवता का सबसे महत्वपूर्ण विकास माना जा रहा है, वहीं इसकी आलोचना भी कम नहीं है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा होता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता के लिए वरदान है या अभिशाप? मानवता के सम्मुख खड़ी चुनौतियों कैसे दूर करने में सक्षम है?

~~सर्वप्रथम~~ ~~इसके~~
जैसा की नाम से ही स्पष्ट है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात् जो प्राकृतिक रूप से मानव में उपस्थित होती है, उसके अतिरिक्त ऐसी क्षमता का विकास, जो मानव की तरह सोच-समझ की क्षमता से युक्त हो तथा निर्णय लेने में सक्षम हो। यदि कोई मशीन मानव की भाँति निर्णय ले सकती है, तो उसमें अनेक लाभ छुपे हुये होने की संभावना है।

सामाजिक स्तर पर देखे तो एकाकी परिवारों के बढ़ते प्रचलन ने वृद्ध समुदाय को निःसहाय कर दिया है, ऐसे में यदि कोई रोबोट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो, तो वह उसकी सेहत का ख्याल रखने में सक्षम होगा, साथ ही किसी आपातकालीन परिस्थिति में किसी सगे-संबंधी को सूचना भी दे सकता है।

इसी तरह वर्तमान समय में जिस तरह जीवन की जटिलताएँ बढ़ती जा रही है, ऐसे में कोई ऐसी युक्ति जो सहायक का कार्य कर सके ताकि कार्यभार कम होने के साथ तनाव प्रबंधन एवं गुणवत्ता में सुधार हो सके। इसके लिए प्रयास अभी आरंभिक चरण में है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण गूगल असिस्टेंट, सीरी, कोरटेना, अमेजन इको के रूप में देखा जा सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं बिग डाटा एनालिसिस का समावेश मानव जीवन की गुणवत्ता अर्थात् क्वालिटी ऑफ लिविंग में वृद्धि कर सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को किसी विशिष्ट प्रकार के चैनल एवं सीरियल पसन्द है, तो बिग डाटा के प्रयोग से उसका विश्लेषण कर, उसे उक्त तरह के चैनल एवं सीरियल ही उपलब्ध कराये जा सकते है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margin

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, धर्म, लिंग एवं नस्लीय आधार पर व्याप्त विषमताएँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता से दूर हो सकती है। वर्तमान में कई कंपनियाँ कर्मचारियों की नियुक्ति में इसी का प्रयोग करती है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूर्णत: वस्तुनिष्ठ निर्णय करती है।

आर्थिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा अनेक संभावनाओं को जन्म दिया है। इससे न केवल गैर-रचनात्मक मानवीय श्रम को प्रतिस्थापित किया जा सकता है बल्कि गुणवत्ता में वृद्धि तथा लागत में कमी संभव है। • कंपनियों द्वारा जटिल शोध एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग मानवीय त्रुटि की संभावना को समाप्त करने में सहायता कर रहा है।

हाल ही में एक कंपनी ने स्वचालित (ड्राइवर रहित) कार बनाने का दावा किया है, और परीक्षण के दौर में है। ऐसे में यह कदम परिवहन क्रांति के समान है, क्योंकि लगातार बढ़ते ट्रैफिक, ट्रैफिक नियमों के बढ़ते उल्लंघन के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कारण हो रही दुर्घटना रोकने में यह कार सक्षम होगी। यह कदम पितृसत्तात्मक समाज पर भी एक चोट होगी, जहाँ महिलाओं को जानबूझकर ड्राइविंग से दूर रखा जाता है। इससे महिला-सशक्तीकरण को बल मिलेगा।

वर्तमान में कृषक जिन कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता उनको दूर करने में भी सहायक होगी। इसके द्वारा मृदा के गुणों के आधार पर फसल उपजाने को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही मौसम का सटीक पूर्वानुमान से नुकसान भी कम होगा।

बाजार की सूचनाओं की पहुँच किसानों तक बेहतर ढंग से होगी। इसके अतिरिक्त फसल को कब, कितनी मात्रा में सिंचाई, खाद, कीटनाशक की आवश्यकता है, यह कार्य भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा किया जा सकेगा। इससे कृषि में लागत में कमी, उत्पादन में वृद्धि एवं उचित दाम मिलना तय होगा। जो किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रक्षा क्षेत्र किसी भी राष्ट्र का महत्वपूर्ण आधार है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग न केवल सैनिकों की कार्यक्षमता को बढ़ायेगा बल्कि बेहतर सीमा प्रबंधन में भी मदद होगी। जटिल भू-स्थलाकृति (जैसे-सियाचीन) में सैनिकों की बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त उपकरणों का प्रयोग मानव संसाधन का बेहतर प्रबंधन में सहायक होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता सुरक्षा एजेन्सियों को आगामी खतरों को भाँपने में भी मदद करती है। इसके द्वारा शत्रु के विशिष्ट कोड को आसानी से डिकोड़ करने में सहायता मिलती है। जिससे आंतरिक सुरक्षा में गुणात्मक वृद्धि होती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अंतरिक्ष अनुसंधान में भी प्रयोग किया जा सकता है। विभिन्न ग्रहों पर शोध करने के लिए मानव की बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त उपकरणों को भेजना अधिक सरल एवं मानव जीवन की क्षति को कम करने वाला कदम होगा। वर्तमान अंतरिक्ष अनुसंधान इस दिशा में बढ़ रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सबसे अधिक लाभ पर्यावरण क्षेत्र को मिलेगा। इसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के डाटा का, जो कि बेहद जटिल प्रकृति का है, अध्ययन करना संभव हो सकेगा, जिससे इसके प्रभावों को समझने में मदद मिलेगी और बेहतर निष्कर्ष के साथ बेहतर प्रयास किये जा सकेंगे।

इस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक पक्ष अधिक उजला हुआ दिखाई देता है, जो मानवता को आकर्षित करता है। चूंकि प्रौद्योगिकी में वह क्षमता है, जो मानव विकास को निम्नता से उच्चता, क्षणिक से सम्पोषणीय, केन्द्रित से विकेन्द्रित, पार्थिवय (पृथकतावादी) से सार्वजनिक तथा स्थानीय से वैश्विक बना सकती है

किन्तु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दूसरा पक्ष पहले से अधिक स्याह और नकारात्मक है। जो मानवता के विनाश का कारण भी बन सकता है। इसी दूसरे पक्ष ने प्रत्येक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रौद्योगिकी जो मानवता के कल्याण के लिए विकसित की गई थी, उसको नकारात्मकता से युक्त किया। परमाणु बम के खौफ से युक्त विश्व इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में वैज्ञानिकों में दो वर्ग है। स्टीफन हॉकिंग जैसे वैज्ञानिकों ने इसकी आलोचना की है। उन्होंने इसकी तीव्र आलोचना करते हुये कहा था कि -

"कृत्रिम बुद्धिमत्ता यकीनन मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आविष्कार होगा किन्तु यह अंतिम आविष्कार सिद्ध होगा।"

उनकी यह आलोचना निरापद भी नहीं है। अगर सूक्ष्म विश्लेषण किया जाये तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनेक दोष सामने आते है, जिनमें सबसे बड़ा है कि डिजिटल उपकरणों से युक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अधिक निर्भरता ~~क~~ निजता के हनन का सबसे बड़ा कारण बन सकती है।

वही भेदभाव दूर करने के लिए प्रयुक्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वयं पूर्वाग्रह से शिकार हो गई है। एक शोध पत्र का दावा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकालने के कारण पुरुषों के आवेदन अधिक होने की स्थिति में स्वयं ही यह निष्कर्ष निकाल लिया कि महिलायें इस कार्य के उपयुक्त नहीं है।

वर्तमान विश्व में बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है. वहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग रोजगार के में कमी का कारण बनेगा, जो इस समस्या को अधिक बढ़ा देगा। परिवहन क्षेत्र में हैकिंग के द्वारा सम्पूर्ण परिवहन व्यवस्था को ठप किया जाना संभव होगा। जो स्थिति को वर्तमान से भी अधिक दूभर बना सकता है।

हाल ही में जब फेसबुक द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट का परीक्षण किया जा रहा था, तब दोनों चैटबॉट ने अपनी स्वयं की नई भाषा ईजाद कर ली, जो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानवीय समझ से परे थे। इसे देखते हुये फेसबुक ने इस कार्यक्रम को स्थगित किया। इसी को देखते हुये एक वैज्ञानिक ने यहाँ तक कह दिया कि -

" कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समक्ष मानव की स्थिति वही होगी, जो वर्तमान में कुत्ते की मानव के समक्ष है।

ऐसा ही एक वाकया, ~~जब~~ पहली मानव जैसी दिखने वाली रोबोट सोफिया के द्वारा किया गया। जब उसे तंग करने का प्रयास किया गया तो उसने गुस्से कह दिया कि वह मानव का विनाश कर देगी। उक्त घटना हॉलीवुड की फिल्म जिसमें मशीनों द्वारा स्वयं निर्णय की क्षमता से युक्त होकर मानव के विरुद्ध युद्ध किया जाता है, को साकार करने के समान है

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रत्येक प्रौद्योगिकी आकांक्षाओं एवं अवसरों के बीच दूरी तय करती है, मानवता अवसरों की तलाश में प्रौद्योगिकी विकास करती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु यदि अवसर, विपत्ति बनने की स्थिति में, हो तो उसे पहले ही सतर्क हो जाना चाहिए। इसी संदर्भ मे मैथिलीशरण गुप्त ने भी कहा है -

" सावधान मनुष्य यदि विज्ञान है तलवार,
तो फेंक दे इसे तजकर मोह स्मृति के पार।"

इस प्रकार उक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनेक लाभों को स्वयं में समेटे है, किन्तु उसमें मानवीय बुद्धि के समान संवेदना, करुणा, ममता आदि भावों का सर्वथा अभाव है। वर्तमान संदर्भ में देखे, तो किसी भी क्षेत्र में विकास के लिए केवल ज्ञान या बुद्धिमत्ता आवश्यक नहीं है, बल्कि उसका भावो से युक्त होना अर्थात भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना आवश्यक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कृत्रिमता की बू तो आती है साथ ही इसमें मानवीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सहजता, संवेदना, भावुकता, अपनत्व, समावेशन, सहिष्णुता जैसे मानवीय मूल्यों की भी कमी है। अतः बेहतर यही होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर आश्रित होने से पूर्व उसे इन गुणों से युक्त किया जाये। मानव सभ्यता का सदियों पुराना इतिहास रहा है। अतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता • उसके समक्ष चुनौती अवश्य है किन्तु असंभव नहीं है और मानवता के लिए भविष्य में उसका प्रयोग हो सकेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–B / SECTION –B

1. शक्ति संपृक्त क्षमा यदि वीरोचित है तो शक्ति रहित क्षमा कायरता।
If doughty forgiveness is heroic, effete forgiveness is cowardice.

2. लोकतंत्र कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का भौतिक एवं आध्यात्मिक संभावनाओं में एक विश्वास है।
Democracy is not only a matter of privileged ones rather it is every man's belief in the physical and spiritual possibilities.

3. समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है।
Wasting time is robbing oneself.

4. शिक्षा समृद्धि में एक आभूषण एवं विपत्ति में एक शरणस्थली है।
Education is an embellishment in prosperity and a refuge in adversity.

समय व्यर्थ करना स्वयं को ही लूटना है

"यह पानी कितनी खामुशी से बह रहा
इसे देखे कि डूब जाये इसमें।"

उक्त पंक्तियां किसी शायर ने समय के महत्त्व की कल्पना करते हुये है। समय के संदर्भ में प्राचीन काल से ही अनेक विचार आते रहे है किन्तु निश्चित है तो केवल एक चीज, वह है - समय का निरन्तर गतिशील होना। समय की यह परिवर्तनशीलता जब

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानव सभ्यता का विकास नहीं हुआ था, तब भी और वर्तमान में भी है और भविष्य में भी रहेगी। कई सभ्यताएं पनपी, विकसित हुई और समाप्त हो गई किन्तु समय की निरन्तरता है।

समय का महत्व प्रत्येक मानव के लिए समान है, क्योंकि सभी को लगभग समान जीवन प्राप्त हुआ है। इसी समय का सदुपयोग करके शिखर प्राप्त करना अथवा दुरुपयोग द्वारा सतह पर बने रहना, दोनो मानव के हाथ में है। क्योंकि जो भी महान व्यक्ति इस संसार में है, वे सभी अपने समय का उचित प्रबंधन करने के कारण ही उच्चता के शिखर पर पहुंचे है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म बेहद गरीब घर में हुआ था किन्तु अपनी इस पैदाइश को नियति समझकर नहीं बैठे बल्कि उन्होंने अपने समय को महत्व दिया। उन्होंने लगातार एक ही स्वप्न देखा और वर्तमान में सम्पूर्ण राष्ट्र ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व उन्हे स्वप्न साकार करने वाले मिसाइल मैन के रूप में जानता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n write on this margi

समय का उचित प्रबंधन जीवन को निम्न स्थिति से उच्च शिखर पर ले जाता है, किन्तु समय का प्रबंधन नहीं करने पर व्यक्ति की दशा एवं दिशा क्या होगी है, वह स्वयं नहीं जानता।

आज से लगभग 60 वर्ष पूर्व जब विश्व में अंतरिक्ष की होड़ मची थी, तब भारत के दूरदृष्टा वैज्ञानिक विक्रम साराभाई ने भी भारत को अपना अंतरिक्ष मिशन आरंभ करने की सलाह दी। तब भविष्य से अनजान वह वैज्ञानिक साइकिल पर रखकर रॉकेट को लॉंच करने के लिए ले गया था, सम्पूर्ण विश्व ने उनका मजाक उड़ाया।

किन्तु उसने अपने समय को बिना नष्ट किये एक आरंभिक कदम बढ़ाया। उसी कदम का परिणाम है कि भारत अंतरिक्ष में महाशक्ति बन गया है। चाँद पर पानी की खोज करना हो या मंगल पर पहली बार में यान पहुँचाने की सफलता, ये सब व असंख्य कार्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उस साइकिल से प्रारंभ हुये सफर की ही देन है।

व्यक्ति के पास अगर कोई धन है, तो वह है - समय। यह ऐसा धन है, जो जन्म के बाद निरन्तर कम होता है। यदि अच्छे से निवेश नहीं किया गया, तो इसका परिणाम न केवल आर्थिक बल्कि बहुस्तरीय होता है।

भारत एवं पाकिस्तान दोनो एक साथ आजाद हुये। दोनों के समक्ष एक समान चुनौतियाँ उपस्थित थी। दोनों ने साथ बढ़ने का निर्णय किया, किन्तु पाकिस्तान ने उचित समय की आस में अपना समय बरबाद किया, जबकि उसी के साथ आजाद हुआ भारत आज वैश्विक महा-शक्ति के रूप में उभर रहा है। इस विषमता का सम्पूर्ण दोषी स्वयं पाकिस्तान है, और उसका दोष है - समय के उचित प्रबंधन का अभाव।

कोई खिलाड़ी अच्छा खेलना चाहता है, वह बड़े स्तर पर पदक जीतना चाहता है किन्तु जब तक वह उस स्थिति को स्वीकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

देखने की बजाय अभ्यास के द्वारा स्वयं को तैयार नहीं करता, तब तक वह असफल ही है। क्योंकि जो व्यक्ति उस खेल में शीर्ष पर है, वह भी उन्हे 24 घंटों के साथ जीवन जीता है।

वर्तमान विश्व एक गंभीर संकट से जूझ रहा है - पर्यावरण प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग। सभी तरह की चेतावनियाँ सामने आ गई है. किन्तु समय का दुरुपयोग लगातार जारी है। यदि अभी - भी दुरुपयोग जारी रहा, तो एक स्थिति ऐसी भी आयेगी, जब समय नहीं रहेगा। और तकनीकी रहेगी. किन्तु व्यर्थ।

जिस गति से विश्व जलवायु परिवर्तन से निपटने का प्रयास कर रहा है. उससे प्रतीत होता है कि वह समय को विनष्ट करने का प्रयास कर रहा है, क्योंकि समय को व्यर्थ करते - करते उसका भी परिणाम यही होगा कि समय उसे विनष्ट कर देगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n

write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानवता के समक्ष जो चुनौती है, वह समानता एवं की स्थापना। हजारों वर्षों से लगातार इसी समानता की स्थापना का प्रयास किया जा रहा है, किन्तु नतीजा सिफर है। ऐसे में लगातार बढ़ती जागरूकता के संदर्भ में यदि अभी भी प्रयास रूपी समय व्यर्थ की परम्परा चलती रही, तो विश्व क्रांति का साक्षी हो सकता है।

भारत वर्तमान में जनांकिकीय लाभांश की स्थिति में है। भारत की लगभग 65% आबादी युवा है, किन्तु इसके बावजूद बेरोजगारी दर अधिक है, युवा शक्ति का सही प्रबंधन नहीं हो पा रहा है, ऐसे में समय का व्यर्थ होना, इसी जनांकिकीय लाभांश को जनांकिकीय आपदा में भी बदल सकता है।

प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी लक्ष्य का निर्धारण करता है और उस लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करता है, किन्तु कुछ व्यक्ति उसी लक्ष्य के साथ बहुत आगे बढ़ जाते हैं जबकि कुछ को घोर असफलता की प्राप्ति होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यही लक्ष्य निर्धारण के साथ-साथ समय का प्रबंधन उचित है, सफलता की प्राप्ति की संभावना बढ़ जाती है।

समय का प्रबंधन जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है। किसी विद्यार्थी के लिए समय का सदुपयोग, उसकी परीक्षा को सही ढंग एवं अच्छे मार्क्स के साथ पास करने के लिए आवश्यक है, वही किसी खिलाड़ी के लिए अभ्यास के द्वारा अपनी दक्षता को सटीक करना।

सफल व्यक्ति वही है, जो अपने समय का प्रबंधन करना सीख जाता है। वर्तमान समय में कई प्रकार ~~की~~ के भटकावों में समय का प्रबंधन जटिल हो जाता है। स्मार्टफोन ने सोशल मीडिया, टिक-टोक, पबजी जैसे अनेक आकर्षणों से युक्त समाज का निर्माण किया है। ऐसे में सफल व्यक्ति वही हो सकता है, जो इन सबसे दूर रहे और अपने समय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को व्यर्थ करने से बचे।

समय का उचित प्रबंधन व्यक्ति को आत्मविश्वास से युक्त करता है। यही आत्मविश्वास असफलता को सफलता में परिवर्तित करता है क्योंकि समय का प्रबंधन उसे अनुशासन से भी युक्त करता है। इसी संदर्भ में कहा भी जाता है -

"करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निशान।"

समय का उचित प्रबंधन व्यक्ति को कम समय में अधिक कार्य की क्षमता से युक्त करता है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण स्वामी विवेकानन्द है, जिनका समय प्रबंधन 35 वर्ष की अल्पायु में भी उन्हे महान विचारक, महान दार्शनिक के रूप में स्थापित करता है।

सफलता एवं असफलता दोनो एक ही सिक्के के दो पहलू है। सफलता व्यक्ति को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

प्रतिष्ठा प्रदान करती है किन्तु असफलता व्यक्ति को सीखने का मौका। ऐसे में असफल व्यक्ति अपनी गलतियों को दूर करने का प्रयास करे, तो वह जीवन को अधिक बेहतर स्थिति में ले जाने मे सक्षम होता है।

बिजली के बल्ब के आविस्कारक एडीसन ने लगातार 1 एक हजार असफल प्रयोग किये किन्तु हर असफलता के बाद समय व्यर्थ करने की बजाय उससे अधिक लगन एवं मेहनत से कार्य किया और उसका नतीजा हमारे समक्ष है। इसी संदर्भ में कहा भी है -

" कुछ लोग वक्त के सांचे में ढल गये
कुछ लोग वक्त के सांचे बदल गये।"

भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र हासिल होने का गौरव प्राप्त है, किन्तु वर्षों की गुलामी के पश्चात् स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व की यह यात्रा उतनी आसान नहीं थी किन्तु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रशासकों ने बिना किसी समय व्यर्थ किये सभी को समान अधिकार देते हुये संविधान लागू किया। वर्तमान में सबसे सहिष्णु, उदार, प्रगतिशील लोकतंत्र की उपाधि प्राप्त की।

सारांशतः स्पष्ट है कि समय एकमात्र वास्तविक धन है। इसे व्यर्थ करना पुनः प्राप्ति संभव नहीं है। समय को व्यर्थ करना 'अब पछताये होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत' के समान है। अतः न केवल व्यक्ति बल्कि समाज, प्रशासन, राष्ट्र एवं विश्व वैश्विक संगठनों को बिना समर्थ व्यर्थ किये विषमता, पर्यावरण, आतंकवाद जैसी चुनौतियों के लिए एकजुट होना चाहिए।

समय रहते सबकुछ प्रबंध कर लेने से बेहतर, एवं सम्पोषणीय विकास की राह प्राप्त की जा सकती है। समय का प्रबंधन ही विश्व को शांति की ओर ले जाने में सक्षम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होगा। प्रत्येक राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि अपने ~~राष्ट्र~~ नागरिकों के मध्य व्याप्त सभी विषमताएँ अतिशीघ्र दूर करे, ताकि विश्व को समतावादी एवं स्थायी शाँति की ओर ले जाया जा सके, अन्यथा समय की बर्बादी यह एक छीनकर, स्वयं निर्णय करेगी।

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation